'दौलत से नहीं ज्ञान से होती है व्यक्ति की पहचान'

पुणे। 6 फरवरी (लोस सेवा)

बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करने की जिम्मेदारी शिक्षकों के साथ माता-पिता की भी है. जाति और रंग-रूप के आधार पर बच्चों के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए. बल्कि उनमें आत्मविश्वास विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए. ये विचार सिम्बयोसिस एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के संस्थापक पद्मविभूषण डॉ. एस. बी. मुजूमदार ने व्यक्त किए.

मुकुल माधव विद्यालय के चौथे वार्षिक दिवस के अवसर पर डॉ. मुजूमदार ने कहा कि पुराने जमाने में लोगों की पहचान इस आधार पर की जाती थी कि उनके पास कितनी जमीन और रुपया-पैसा है. वर्तमान में व्यक्ति की पहचान उसके ज्ञान के आधार पर होती है. ज्ञान शक्ति है. इसलिए हमें ज्ञान की पूजा करनी चाहिए, इस अवसर पर विद्या येरवडेकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. साथ ही मुकुल माधव फाउंडेशन के प्रमोटर प्रहलाद छाबरिया, एस. के. जैन, फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौरभ धानोरकर, संजय आशर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नंदकुमार ठाकुर भी मौजूद रहे.

विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए. मास्टर अरशद सारंग ने विभिन्न क्षेत्रों में पांच पुरस्कार जीते, जबकि दिशा लांजेकर को तीन पुरस्कार प्राप्त हुए.

पिछले दो दशकों के आयोजनों की याद ताजा करते हुए प्रल्हाद छाबरिया ने बताया कि रत्नागिरी के ग्रामीण परिदृश्य में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल की स्थापना सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में एक मिसाल थी. उन्होंने आश्वस्त किया कि तीन साल पहले रोपे गए पौधे ज्ञान के विशाल वृक्ष के रूप में विकसित होंगे.